अध्याय
09

वैश्वीकरण

सीखने के प्रतिफल

इस अध्याय में हमें विश्व की अर्थव्यवस्था किस प्रकार मिलजुल कर एक बाजार व्यवस्था के रूप में परिवर्तित हुआ जान सकेंगे।

वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विश्व के सभी बाजार मिलजुल कर कार्य करते हैं। इस प्रक्रिया से स्थानीय एवं क्षेत्रीय घटनाओं का विश्व स्तर पर रूपांतरित किया जाता है। यह प्रक्रिया आर्थिक, समाजिक, तकनीकी और राजनीतिक ताकतों का एक समायोजन है।

वैश्वीकरण के उद्देश्य

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग।
- आर्थिक समानता।
- विकास हेतु नवीन साझेदारी।
- विश्व बंधुत्व की भावना का विकास।

© NCERT not to be republished

वैश्वीकरण के कारण

- उन्नत प्रौद्योगिकी।
- संचार क्रांति टेलीग्राफ, टेलीफोन माइक्रोचिप, इंटरनेट इत्यादि सूचना यंत्रों का विकास।
- विश्व के लोगों के बीच आपसी मेल -जोल।
- यातायात के साधन जल, थल और वायु मार्ग का विकास।
- मुद्रण मशीन का आविष्कार।
- व्यापार का विश्व स्तर पर प्रखर होना।

वैश्वीकरण की विशेषता

- भौगोलिक दूरियों को मिटाना।
- एक नई संस्कृति का उदय।
- उपभोक्तावाद को बढ़ावा।
- विश्व स्तर पर शिक्षा का प्रसार।
- बिचोलिया वर्ग को बढ़ावा मिला।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवागमन को लचीला बनाया गया।
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का प्रभाव बढ़ा।
- श्रम बाजार का विश्वव्यापी करण हुआ।

© JCERT not to be republished

वैश्वीकरण से लाभ

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि।
- नवीन तकनीकों का आगमन।
- विदेशों में रोजगार का अवसर।
- जीवन स्तर में वृद्धि।
- विदेशों में विनियोजन।
- तीव्र आर्थिक विकास।
- विदेशी मुद्रा कोष में वृद्धि।
- चिकित्सा क्षेत्र में सुधार।
- स्वास्थ्य औद्योगिक विकास।
- औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि।

वैश्वीकरण के दोष

- स्थानीय उद्योगों का पतन।
- बेरोजगारी में वृद्धि।
- आर्थिक परतंत्रता।
- बहुर्राष्ट्रीय कंपनियों का प्रभुत्व।
- राष्ट्रप्रेम की भावना को आघात।
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का दबाव।
- विलासिता संबंधी वस्तुओं के उपभोग में वृद्धि।
- आर्थिक असंतुलन।
- घातक अंतर्राष्ट्रीय कानून।
- स्वदेशी संस्कृतियों का विनाश।
- नव साम्राज्यवाद का उदय।

© JCERT not to be republished

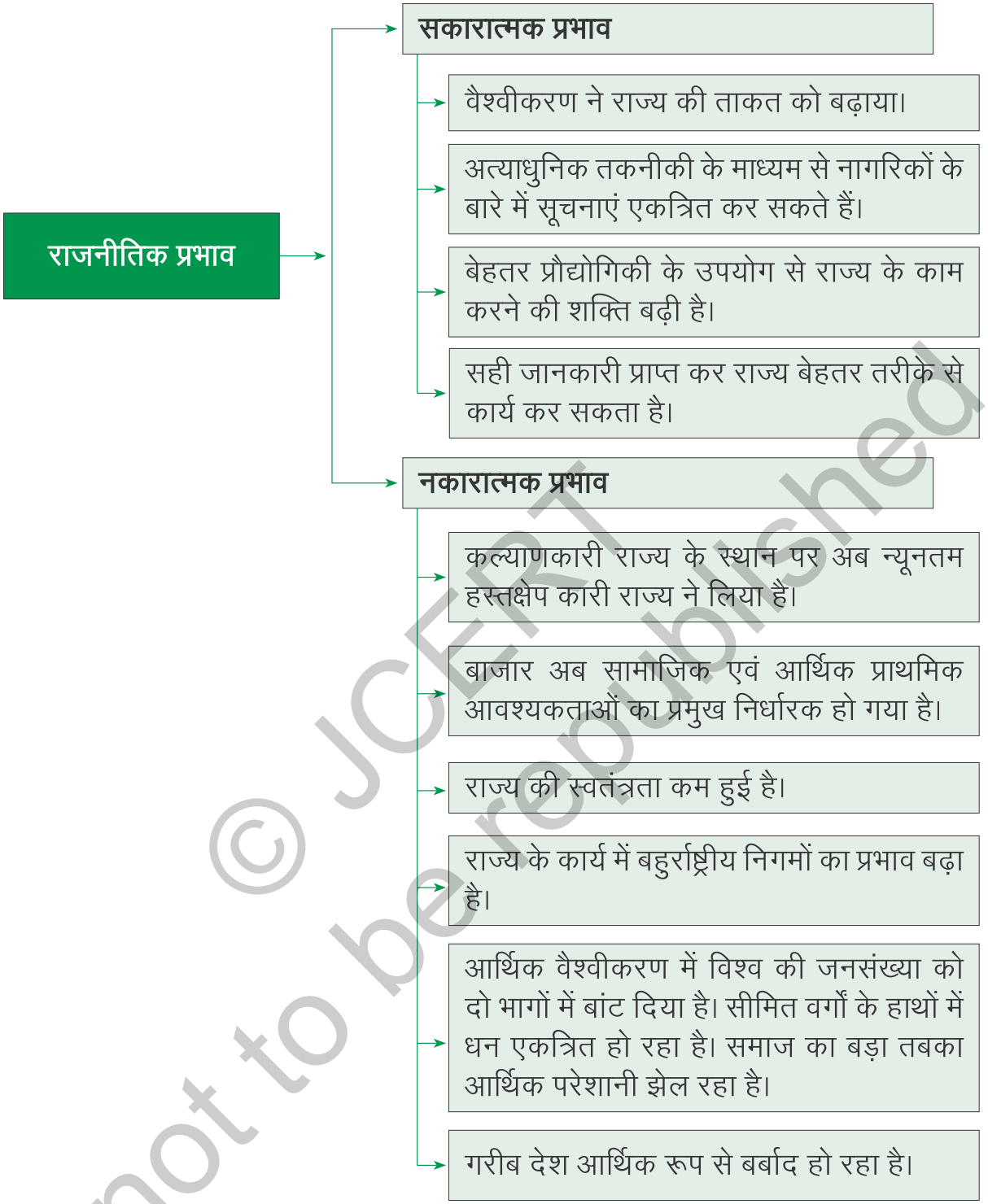

© JCERT not to be republished

वैश्वीकरण के पीछे अंतर्राष्ट्रीय संघ का हाथ-

1. विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष- इसकी स्थापना ब्रटेन वुड्स सम्मेलन में हुई थी। इसका कार्य विश्व के गरीब देशों को आर्थिक सहायता पहुंचाना है। यह संसार भर के लोगों का धन अर्जित कर स्थापित किया गया था।

2. विश्व व्यापार संगठन- विश्व व्यापार संगठन की स्थापना 1995 में की गई । यह संस्था विश्व के देशों के बीच व्यापार में होने वाले किसी अड़चन को समाप्त कर सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करता है।

3. गेट- यह विश्व व्यापार संगठन का सहयोगी संस्था है। इसका लक्ष्य व्यापार में संलग्न देशों की सहमति के आधार आधार पर विश्व के व्यापार को समय के अनुसार व्यवस्थित करना है।

भारत और वैश्वीकरण

- भारत में वैश्वीकरण की कल्पना वैदिक काल से ही विद्यमान है।
- भारतीय दर्शन के अंतर्गत वैश्वीकरण की भावना निहित है। कर्म और कर्म के लिए सही आचरण करना भागवत गीता का मूल सार है।
- वैश्वीकरण से प्रेरित होकर भारत ने भी बाजारों उन्मुख अर्थव्यवस्था को अपनाया।
- भारत के राष्ट्रीय संप्रभुता का ह्रास हुआ है।
- भारत में विलासिता संबंधी वस्तुओं का उपभोग बढ़ा है।
- भारतीय समाज विभाजन की ओर बढ़ रहा है।
- भारत में स्थानीय उद्योगों का ह्रास हुआ है।
- भारत में गरीबी एवं बेरोजगारी बढ़ी है।
- भारत में महिलाओं का शोषण बढ़ा है।
- भारत को उन्नत संचार प्रौद्योगिकी का लाभ मिला है।
- भारत की अर्थव्यवस्था कुछ सीमित वर्गों के हाथों में सिमट गई है।
- विश्व स्तर पर घटने वाली घटना का प्रभाव भारत पर भी पड़ता है।
- भारत में पर्यावरण की समस्या बढ़ती जा रही है।
- भारत नव उपनिवेशवाद का शिकार हुआ है।

© JCERT not to be republished

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ था?

   a. 1945 **b.** 1991

   c. 1910 **d.** 1995

2. वैश्वीकरण के फल स्वरुप विश्व पर किसका प्रभाव बढ़ा है?

   a. पूंजीवादी गुट **b.** साम्यवादी गुट

   c. गुटनिरपेक्ष **d.** इनमें से कोई नहीं

3. वैश्वीकरण का गरीब देशों पर क्या प्रभाव पड़ा?

   a. गरीबी बढ़ी

   b. बेरोजगारी बढ़ी

   c. स्थानीय उद्योगों का पतन हुआ

   d. इनमें सभी

4. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब हुई थी?

   a. 1995 **b.** 1920

   c. 1945 **d.** 1951

5. विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय कहां है?

   a. पेरिस **b.** लंदन

   c जेनेवा **d.** न्यूयॉर्क

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं?
2. वैश्वीकरण की मुख्य विशेषताएं क्या है?
3. वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभाव का वर्णन कीजिए?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. वैश्वीकरण के गुण एवं दोषों का वर्णन कीजिए?
2. वैश्वीकरण का भारत पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन कीजिए?

© JCERT not to be republished